प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2020-21 विषय-हिंदी ऐच्छिक (कोड 002) कक्षा बारहवीं

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:- निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए -

- **इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और खंड 'ब' । खंड 'अ' में वस्तुपरक और खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं ।**
- **खंड 'अ' में कुल 6 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**
- **खंड 'ब' में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

प्रश्न संख्या	खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्न	अंक
	अपठित गद्यांश	(10)
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** तेरहवीं सदी तक धर्म के क्षेत्र में बड़ी अस्तव्यस्तता आ गई। जनता में सिद्धों और योगियों आदि द्वारा प्रचलित अंधविश्वास फैल रहे थे, शास्त्रज्ञान-संपन्न वर्ग में भी रूढ़ियों और आडंबरों की प्रधानता हो चली थी। मायावाद के प्रभाव से लोकविमुखता और निष्क्रियता के भाव समाज में पनपने लगे थे। ऐसे समय में भक्तिआंदोलन के रूप में ऐसा भारतव्यापी विशाल सांस्कृतिक आंदोलन उठा जिसने समाज में उत्कर्ष विधायक सामाजिक और वैयक्तिक मूल्यों की प्रतिष्ठा की। कृष्ण का मधुर रूप स्वीकृत हुआ। इस प्रकार उत्तर भारत में विष्णु के राम और कृष्ण अवतारों की प्रतिष्ठा हुई। इस प्रकार इन विभिन्न मतों का आधार लेकर हिन्दी में निर्गुण और सगुण के नाम से भक्तिकाव्य की दो शाखाएँ साथ साथ चलीं। निर्गुणमत के दो उपविभाग हुए - ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी। पहले के प्रतिनिधि कबीर और दूसरे के जायसी हैं। सगुणमत भी दो उपधाराओं में प्रवाहित हुआ - रामभक्ति और कृष्णभक्ति। पहले के प्रतिनिधि तुलसी हैं और दूसरे के सूरदास। ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि कबीर पर तात्कालिक विभिन्न धार्मिक प्रवृत्तियों और दार्शनिक मतों का सम्मिलित प्रभाव है। उनकी रचनाओं में धर्मसुधारक और समाजसुधारक का रूप विशेष प्रखर है। उन्होंने आचरण की शुद्धता पर बल दिया। बाह्याडंबरों , रूढ़ियों और अंधविश्वासों पर उन्होंने तीव्र कुठाराघात किया। प्रेमाश्रयी धारा के सर्वप्रमुख कवि जायसी हैं। पं. हजारीप्रसाद_द्विवेदी के अनुसार भक्ति आंदोलन भारतीय चिंता-धारा का स्वाभाविक विकास है। उत्तर भारत के नाथ -सिद्धों की साधना, अवतार लीला की अवधारणा और जातिगत कठोरता दक्षिण भारत से आई हुई भक्ति धारा में घुलमिल गई। द्विवेदी जी के अनुसार भक्ति आंदोलन और भक्तिकाल का साहित्य लोकोन्मुख है। वह करुणा एवं परदुखकातरता से युक्त है। द्विवेदी जी कबीर की तेजस्विता को जुलाहा	

	जाति की सामाजिक मर्यादा के प्रति असंतोष की भावना से जोड़ते हैं। हिंदुओं की पराजित भावना भक्ति का कारण होती तो वह उत्तर भारत में पहले आती।आज की दृष्टि से इस संपूर्ण भक्तिकाव्य का महत्व उसकी धार्मिकता से अधिक लोकजीवनगत मानवीय अनुभूतियों और भावों के कारण है। इसी विचार से इस काल को जॉर्ज ग्रियर्सन ने स्वर्णकाल, श्यामसुन्दर दास ने स्वर्णयुग, आचार्य राम चंद्र शुक्ल ने भक्ति काल एवं हजारी प्रसाद द्विवेदी ने लोक जागरण कहा। सम्पूर्ण साहित्य के श्रेष्ठ कवि और उत्तम रचनाएं इसी में प्राप्त होती हैं। दक्षिण में आलवार बंधु नाम से कई प्रख्यात भक्त हुए हैं। इनमें से कई तथाकथित नीची जातियों के भी थे।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	तेरहवीं सदी तक किस क्षेत्र में उथलपुथल मच चुकी थी? i. भक्ति ii. ज्ञान iii. धर्म iv. विचार	**1**
(ii)	समाज में निष्क्रियता के भाव किस के प्रभाव से फैल रहे थे ? i. सिद्धों ओर योगियों के ii. शास्त्रज्ञों के iii. समाजशास्त्रियों के iv. मायावाद के	**1**
(iii)	भक्ति आंदोलन के परिणामस्वरूप समाज में क्या परिवर्तन हुआ ? i. अंधविश्वासों पर चोट ii. सामाजिक मूल्यों की स्थापना iii. लोकविमुख भावों का विरोध iv. उपर्युक्त सभी	**1**
(iv)	प्रेमाश्रयी धारा के प्रमुख कवि हैं ? I कबीर ii. सूरदास iii जायसी iv तुलसी	**1**
(v)	भक्तिकाल को हिन्दी काव्य का स्वर्ण युग कहने के पीछे कारण है? i. धार्मिकता ii. मायावाद का विरोध iii. लोकजीवनगत मानवीय अनुभूतियाँ और भाव iv. बाह्याडंबर, रूढ़ियों और अंधविश्वासों पर तीव्र कुठाराघात।	**1**
(vi)	निम्नलिखित में से भक्तिकाल का कौन सा नाम नहीं कहा गया ?	**1**

	i. स्वर्णकाल ii. स्वर्णयुग iii. लोक जागरण iv. संस्कृति काल	
(vii)	किसके अनुसार 'भक्ति आंदोलन भारतीय चिंता-धारा का स्वाभाविक विकास है।' i. जॉर्ज ग्रियर्सन ii. श्यामसुन्दर दास iii. आचार्य राम चंद्र शुक्ल iv. पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी	**1**
(viii)	आलवार बंधु भारत के किस क्षेत्र से संबंध रखते थे ? i. उत्तर भारत ii. दक्षिण भारत iii. पूर्वी भारत iv. पश्चिमी भारत	**1**
(ix)	कौन सी विशेषता भक्ति आंदोलन के प्रादुर्भाव का कारण बनी ? i. नाथ -सिद्धों की साधना ii. अवतार लीला की अवधारणा iii. जातिगत कठोरता iv. उपर्युक्त सभी	**1**
(x)	निम्नलिखित में से कौन सी धारा भक्ति आंदोलन से सम्बद्ध नहीं ? i. राम भक्ति धारा ii. शिव भक्तिधारा iii. कृष्ण भक्ति धारा iv. प्रेमाश्रयी धारा	**1**
	अथवा	
	मनुष्य अपने भविष्य के बारे में चिंतित है। सभ्यता की अग्रगति के साथ ही चिंताजनक अवस्था उत्पन्न होती जा रही है। इस व्यावसायिक युग में उत्पादन की होड़ लगी हुई है। कुछ देश विकसित कहे जाते हैं। ऐसे देशों ने धरती को मानव शून्य बनाने के भयंकर मारणास्त्र तैयार कर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर मनुष्य ही इस भावी मानव-विनाश की आशंका से सिहर भी उठा है। उसका एक समझदार समुदाय इस प्रकार की कल्पना मात्र से आतंकित हो गया है कि न जाने किस दिन संसार इस विनाश लीला का शिकार हो जाए। इतिहास साक्षी है कि बहुत-सी जीव-प्रजातियाँ विभिन्न कारणों से हमेशा-हमेशा के लिए विलुप्त हो गई, बहुत-सी आज भी क्रमशः विलुप्त होने की स्थिति में हैं, पर उनके मन में कभी अपनी प्रगति के नष्ट हो जाने की आशंका हुई थी या नहीं, हमें नहीं मालूम। शायद मनुष्य पहला प्राणी है जिसमें थोड़ा-बहुत भविष्य देखने की शक्ति है।	

	अन्य जीवों में यह शक्ति थी ही नहीं। यह विशेष रूप से ध्यान देने की बात है कि सिर्फ मनुष्य ही है जो अपने भविष्य के बारे में चिंतित है। यह सभी जानते हैं कि आधुनिक विज्ञान और तकनीकी ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है। उसी की कृपा से संसार के मनुष्य एक-दूसरे के निकट आए हैं, अनेक पुराने संस्कार जो गलतफहमी पैदा करते थे, झड़ते जा रहे हैं। मनुष्य को निरोग, दीर्घजीवी और सुसंस्कृत बनाने के अनगिनत साधन बढ़े हैं, फिर भी मनुष्य चिंतित है। जो अंधाधुंध प्रकृति के मूल्यवान भंडारों की लूट मचाकर आराम और संपन्नता प्राप्त कर रहे हैं, वे बहुत परेशान नहीं हैं। वे यथास्थिति भी बनाए रखना चाहते हैं और यदि संभव हो तो अपनी व्यक्तिगत, परिवारगत और जातिगत संपन्नता अधिक-से-अधिक बढ़ा लेने के लिए परिश्रम भी कर रहे हैं। ऐसे सुखी लोग 'मनुष्य का भविष्य' जैसी बातों के कारण परेशान नहीं हैं। पर जो लोग अधिक संवेदनशील हैं और मनुष्य जाति को महानाश की ओर बढ़ते देखकर विचलित हो उठते हैं, वे ही परेशान हैं।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	वर्तमान समय में चिंतनीय स्थिति क्यों उत्पन्न हो रही है ? i. आधुनिक तकनीक का अत्यधिक उपयोग करने के कारण ii. विज्ञान एवं तकनीकी के दुरुपयोग के कारण iii. मारणास्त्रों का विशाल भंडार तैयार करने के कारण iv. उपर्युक्त सभी ।	**1**
(ii)	मारण-अस्त्रों का भंडार दिन-प्रतिदिन विशाल क्यों होता जा रहा है? i. अपने बढ़ते उत्पादन की खपाने के लिए हर शक्तिशाली देश अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ा रहा है। ii. एक समझदार समुदाय इस प्रकार की कल्पना मात्र से आतंकित हो गया है कि न जाने किस दिन संसार विनाश लीला का शिकार हो जाए। iii. विज्ञान और तकनीकों के विकास से अणु बमों की अनेक संहारकारी किस्में ईजाद हुई हैं। iv. सभ्यता विकसित हो रही है ।	**1**
(iii)	आधुनिक विज्ञान और तकनीक का संसार पर क्या प्रभाव पड़ा है? i. आपसी प्रतिद्वंद्विता तेज हो गई है। ii. आपसी सहयोग बढ गया है। iii. संसार सुख की ओर उन्मुख हुआ है। iv. मनुष्य चिंता मुक्त हुआ है।	**1**
(iv)	कैसे लोग मानव-जाति के भविष्य के विषय में परेशान नहीं हैं? i. जो देशवासियों की संपन्नता को अधिक-से-अधिक बढ़ा लेने के लिए परिश्रम रहे हैं। ii. जो अंधाधुंध प्रकृति के मूल्यवान भंडारों की लूट मचाकर आराम और संपन्नता प्राप्त कर रहे हैं। iii जो प्रकृति का सरंक्षण करने को उत्सुक हैं ।	**1**

	iv. जो नई -नई खोजें करने के लिए परिश्रम कर रहे हैं।	
(v)	किस श्रेणी के लोग उसके संसार के भावी विनाश को लेकर आशंकित हैं? i. धनी लोग ii. निर्धन लोग iii. संवेदनशील लोग iv. संवेदनशून्य लोग	**1**
(vi)	जो देश अत्यधिक उत्पादन कार्य में संलग्न हैं ,उन्हें कहा जाता है ? i. विकसित ii. अविकसित iii. विकासोन्मुख iv. उत्पादक राष्ट्र	**1**
(vii)	बदते साधनों ने मनुष्य को निम्नलिखित में से क्या बनाने में विशेष भूमिका नहीं निभाई i. निरोगी ii. सुसंस्कृत iii. दीर्घजीवी iv. निश्चिंत	**1**
(viii)	विकासवाहक उपकरणों ने निम्नलिखित में से क्या नहीं किया ? i. प्रदूषण को बढ़ाया । ii. मानव जाति के लिए खतरा उत्पन्न किया। iii. विकास के नाम पर उत्पादन की अंधी दौड़ शुरू कर दी। iv. लोगों को स्वार्थरहित कर दिया ।	**1**
(ix)	'दीर्घजीवी' में कौन -सा समास है ? i. अव्ययीभाव ii. कर्मधारय iii. तत्पुरुष iv. द्विगु	**1**
(x)	उपर्युक्त पद्यांश का सर्वाधिक उचित शीर्षक क्या हो सकता है ? i. महाविनाश की ओर अग्रसर मानव ii. बदता प्रदूषण iii. प्रकृति का दोहन iv. विकसित बनाम विकासोन्मुख	**1**
	अपठित पद्यांश	**(8)**
प्रश्न 2.	**निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले पुस्तकों में है नहीं छापी गई इसकी कहानी,	

	हाल इसका ज्ञात होता है न औरों की ज़बानी, अनगिनत राही गए इस राह से, उनका पता क्या, पर गए कुछ लोग इस पर छोड़ पैरों की निशानी यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है, खोल इसका अर्थ, पंथी, पंथ का अनुमान कर ले। पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले। है अनिश्चित किस जगह पर सरित, गिरि, गह्वर मिलेंगे, है अनिश्चित किस जगह पर बाग वन सुंदर मिलेंगे, किस जगह यात्रा ख़तम हो जाएगी, यह भी अनिश्चित, है अनिश्चित कब सुमन, कब कंटकों के शर मिलेंगे कौन सहसा छूट जाएँगे, मिलेंगे कौन सहसा, आ पड़े कुछ भी, रुकेगा तू न, ऐसी आन कर ले। पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले। कौन कहता है कि स्वप्नों को न आने दे हृदय में, देखते सब हैं इन्हें अपनी उमर, अपने समय में, और तू कर यत्न भी तो, मिल नहीं सकती सफलता, ये उदय होते लिए कुछ ध्येय नयनों के निलय में, किन्तु जग के पंथ पर यदि, स्वप्न दो तो सत्य दो सौ, स्वप्न पर ही मुग्ध मत हो, सत्य का भी ज्ञान कर ले। पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	कवि ने किसे पथ की पहचान करने को कहा है ? i. जीवन पथ पर आगे बढ़ने वाले यात्री को । ii. पूर्व दिशा में आगे बदने वाले को । iii. समय व्यर्थ गंवाने वाले को । iv. असंभव कार्य करने वाले को ।	**1**
(ii)	इस पथ की निशानियाँ कैसी हैं ? i. उजली ii. मौन iii. स्पष्ट iv. अस्पष्ट	**1**
(iii)	इस राह पर चलते हुए यात्रा को सरल बनाने का तरीका क्या है ? i. पहले अच्छी तरह पूछताछ करना । ii. दूसरों की मदद लेना । iii. दूसरों द्वारा अपनाये गए मार्ग का अनुसरण करना ।	**1**

	iv. स्वयं की समझ से सोच विचार कर कदम बढ़ाना ।	
(iv)	यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है 'में कौन सा अलंकार है? i. अनुप्रास ii. विरोधाभास iii. मानवीकरण iv. विरोधाभास व मानवीकरण दोनों	**1**
(v)	सफलता के लिए निम्नलिखित में से कौन सा तत्व अनिवार्य नहीं ? i. प्रयत्न ii. परिश्रम iii. सौन्दर्य iv. सत्य	**1**
(vi)	कवि ने किस बात के लिए मना किया है ? i. अच्छाई -बुराई के विषय में सोचने से। ii. सोच-विचार में अत्यधिक समय व्यर्थ करने से । iii. असंभव मार्ग को छोड़ने से । iv. अपनी आयु के अनुरूप यत्न करने से।	**1**
(vii)	बटोही का अर्थ क्या है ? i. सत्य का अन्वेषक ii. यात्री iii. किसी की बाट देखने वाला । iv. उपर्युक्त में से कोई नहीं ।	**1**
(viii)	'पर गए कुछ लोग इस पर छोड़ पैरों की निशानी ' से क्या भाव व्यंजित होता है ? i. इस रास्ते पर कुछ लोगों के कदमों के निशान बन गए हैं । ii. कुछ लोगों ने अपने पैरों से निशान बनाए और रास्ता छोड़ दिया । iii. कुछ लोगों ने स्मरणीय व अनुकरणीय कर्म किए । iv. कुछ लोगों ने निशानों पर अपने कदम रखे ।	**1**
	अथवा	
	सदियों की ठंडी, बुझी राख सुगबुगा उठी, मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है ; दो राह, समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। जनता ? हाँ, मिट्टी की अबोध मूरतें वही, जाड़े-पाले की कसक सदा सहने वाली, जब अंग-अंग में लगे सांप हो चूस रहे तब भी न कभी मुँह खोल दर्द कहने वाली।	

	जनता ? हाँ, लंबी-बड़ी जीभ की वही कसम, जनता, सचमुच ही, बड़ी वेदना सहती है। सो ठीक, मगर, आखिर, इस पर जनमत क्या है ? है प्रश्न गूढ़, जनता इस पर क्या कहती है ? मानो, जनता ही फूल जिसे अहसास नहीं, जब चाहो तभी उतार सजा लो दोनों में ; अथवा कोई दुधमुंही जिसे बहलाने के जन्तर-मन्तर सीमित हों चार खिलौनों में। लेकिन होता भूडोल, बवंडर उठते हैं, जनता जब कोपाकुल हो भृकुटि चढ़ाती है ; दो राह, समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	कवि ने किससे सिहासन खाली करने को कहा है ? i. आम लोगों से ii. अंग्रेजों से iii. पूँजीपतियों से iv. जनता के प्रतिनिधियों से	**1**
(ii)	'मिट्टी सोने का ताजं पहन इठलाती है' इस पंक्ति का भाव क्या है ? i. सिहासन पर बैठने वाले को सोने का ताज पहनाया जाएगा ii. मिट्टी की भाँति दबी -कुचली जनता सोना प्राप्त कर पाएगी iii. जनतंत्र आ रहा है iv. अंग्रेजों के जाने की बात से सब अकड़ने लगे हैं ।	**1**
(iii)	गुलामी की अवस्था में जनता की दशा कैसी रहती है ? i. सब जुल्म सहती है । ii. अपनी बात नहीं कह पाती है । iii. शोषण का शिकार होती है । iv. उपर्युक्त सभी ।	**1**
(iv)	'घर्घर नाद' का पर्यायवाची छाँटो - i. कर्कश ध्वनि ii. कोमल स्वर iii. मधुर आवाज iv. सुरीला राग	**1**
(v)	कवि के अनुसार जब जनता क्रोध में आ जाती है तो क्या होता है ? i. सत्ता पलट जाती है ।	**1**

	ii. धरती हिल जाती है , तूफान आ जाते हैं। iii. कथन (i) व (ii) दोनों सही हैं । iv. कथन (i) व (ii) दोनों असत्य हैं ।	
(vi)	भृकुटि का अर्थ है ? i. बहुत कुटिल ii. भौहें iii. प्रत्यंचा iv. बाहें	**1**
(vii)	'मानो, जनता हो फूल जिसे अहसास नहीं,' में कौन -सा अलंकार है? i. उपमा ii. उत्प्रेक्षा iii. मानवीकरण iv. रूपक	**1**
(viii)	लेकिन होता भूडोल, बवंडर उठते हैं, जनता जब कोपाकुल हो भृकुटि चढ़ाती है '; में कौन सा काव्य -गुण व रस है ? i. प्रसाद व करूण ii. माधुर्य व शांत iii. ओज व वीर iv. ओज व रौद्र	**1**
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(5)**
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	**5x1=5**
(i)	उल्टा पिरामिड शैली किसे कहते हैं? i. समापन, बॉडी, इंट्रो ii. बॉडी, इंट्रो, समापन iii. इंट्रो, बॉडी, समापन iv. इनमे से कोई नहीं	**1**
(ii)	भारत में इस समय इंटरनेट पत्रकारिता का कौन सा दौर चल रहा है? i. पहला दौर ii. दूसरा दौर iii. तीसरा दौर iv. (घ) इनमें से कोई नहीं	**1**
(iii)	पत्रकारिता के विकास में कौन सा मूल भाव सक्रिय होता है? i. ईर्ष्या ii. उत्साह iii. जिज्ञासा	**1**

	iv. (घ) इनमें से कोई नहीं	
(iv)	भारत का पहला समाचार पत्र कौन सा है और कहाँ से प्रकाशित हुआ? i. 'पंजाब केसरी' अमृतसर से ii. 'बंगाल गज़ट' कोलकाता से iii. 'नवभारत टाईम्स' दिल्ली से iv. इनमें से कोई नहीं	**1**
(v)	वॉचडॉग पत्रकारिता किसे कहते हैं? i. किसी विभाग के कामकाज पर नज़र रखना और घोटाले या गड़बड़ी का पर्दाफाश करने की पत्रकारिता ii. जहाँ खोजी कुत्ते सूँघकर खोई वस्तु का पता लगाते हैं। iii. जनता पर नज़र रखने की पत्रकारिता कि वह सरकार केविरुद्ध कार्य न कर सके। iv. (घ) इनमे से कोई नहीं।	**1**
	पाठ्य-पुस्तक	**(10)**
प्रश्न 4.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी। दूभर दुख सो जाइ किमि काढ़ी।। अब धनि देवस बिरह भा राती। जरै बिरह ज्यों दीपक बाती।। कांपा हिया जनावा सीऊ। तौ पै जाइ होइ सँग पीऊ।। घर घर चीर रचा सब काहूँ। मोर रूप रंग लै गा नाहू।। पलटि न बहुरा गा जो बिछोई। अबहूँ फिरै फिरै रँग सोई।। सियरि अगिनि बिरहिनी हिय जारा। सुलगि सुलगि दगधै भै छारा।। यह दुख दगध न जानै कंतू। जोबन जनम करै भसमन्तू।। पिय सौं कहेहु सन्देसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग। सो धनि बिरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग।।	**5x1=5**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	उपर्युक्त काव्यांश कहाँ से लिया गया है? i. नागमती वियोग खण्ड -बारहमासा ii. पद्मावती वियोग खण्ड-बारहमासा iii. उपरोक्त दोनों iv. इनमें से कोई नहीं	**1**
(ii)	'जरै बिरह ज्यों दीपक बाती' में कौन सा अलंकार है? i. अनुप्रास अलंकार। ii. उत्प्रेक्षा अलंकार iii. मानवीकरण अलंकार iv. उपमा अलंकार	**1**
(iii)	यह काव्यांश किस छन्द में रचित है?	**1**

	i. दोहा चौपाई ii. मुक्त छन्द iii. कवित्त iv. सवैया	
(iv)	नागमती विरह की अग्नि में जलकर क्या बनती जा रही है? i. राख ii. धुआँ iii. बाती iv. उपरोक्त सभी	**1**
(v)	नागमती के पति का क्या नाम है? i. चित्रसेन ii. रत्नसेन iii. गन्धर्व सेन iv. शूरसेन	**1**
प्रश्न 5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए।** ये लोग आधुनिक भारत के नए शरणार्थी हैं,जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात नेअपनी घर ज़मीन से उखाड़कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है।प्रकृति और इतिहास के बीच यह गहरा अंतर है।बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घरबार छोड़कर कुछ अरसे के लिए बाहर चले जाते हैं, किन्तु आफत टलते ही वे दुबारा अपने जाने माने परिवेश में लौट भी आते हैं।किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है,तो वे फिर कभी अपने घर वापस नही लौट सकते। आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ मनुष्य ही नहीं उखड़ता,बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं।	**5x1=5**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से अवतरित है? i. संवदिया ii. जहाँ कोई वापसी नहीं iii. दूसरा देवदास। iv. सुमिरिनी के मनके	**1**
(ii)	आधुनिक भारत के नए शरणार्थी कौन है? i. औद्योगीकरण के कारण अपने मूल निवास से विस्थापित लोग ii. प्राकृतिक आपदा के कारण अपने मूल निवास से विस्थापित लोग iii. शहरों में बसे लोग iv. उपरोक्त सभी	**1**
(iii)	लेखक किस संस्था की ओर से विस्थापन की समस्या को देखने समझने जाता है?	**1**

	i. अमझर ii. लोकायन iii. पर्यावरण iv. प्रकृति	
(iv)	लेखक कहाँ की यात्रा पर गया था? i. सिंगरौली क्षेत्र की ii. पूर्णिया जिले की iii. अमेठी की iv. लखनऊ की	**1**
(v)	इस पाठ के लेखक का क्या नाम है? i. निर्मल वर्मा ii. फणीश्वरनाथ रेणु iii. रामचन्द्र शुक्ल iv. असग़र वज़ाहत	**1**
	पूरक पाठ्य-पुस्तक	**(07)**
प्रश्न 6.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	
(i)	जगधर के मन में कौन सा भाव जगा? I. ईर्ष्या का II. प्रेम का III. सहयोग का IV. प्रतिशोध का	**1**
(ii)	सुभागी रात भर कहाँ छिपी रही? I. सूरदास की झोंपड़ी में II. मंदिर के पिछवाड़े अमरूद के बाग में III. जगधर के घर IV. मंदिर में	**1**
(iii)	बिस्कोहर किसका गाँव है? I. लेखक विश्वनाथ त्रिपाठी का II. भूपसिंह का III. लेखकसंजीव का IV. प्रभाष जोशी का	**1**
(iv)	लेखक बिसनाथ को अपनी माँ के पेट का रंग कैसा लगता था? I. गेहूँ जैसा II. दूध जैसा सफेद III. हल्दी मिलाकर बनाई पूड़ी के रंग जैसा	**1**

	IV. मकई के रंग जैसा	
(v)	रूपसिंह कितने वर्ष बाद अपने गाँव लौट रहा था? I. सात वर्ष बाद II. ग्यारह वर्ष बाद III. बारहवर्ष बाद IV. नौ वर्ष बाद	1
(vi)	सूरदास किसमें विश्वास रखता था? I. प्रतिशोध लेने में II. क्षमा करने में III. रोने धोने में IV. इन सभी में	1
(vii)	मालवा में पहले कैसे पानी गिरता था? I. बहुत अधिक II. कम III. बिल्कुल नहीं IV. थोड़ा	1
	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	(20)
प्रश्न 7.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-** I. ऊँट के मुँह में जीरा II. कोरोना का वैश्विक प्रभाव III. करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान	**5x1=5**
प्रश्न 8.	प्लास्टिक की थैलियों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाए जाने पर भी उनका प्रयोग हो रहा है।इस विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए अपने क्षेत्र के पर्यावरण निदेशालय के संयुक्त सचिव को सुझावात्मक पत्र लिखिए। **अथवा** महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों और अभद्र व्यवहार पर चिंता जताते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को रोकथाम के उपायों के साथ पत्र लिखिए।	**5x1=5**
प्रश्न 9.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए-	**5**
(i)	समाचार- पत्र की खूबियों का वर्णन कीजिए। **अथवा** कहानी के कौन कौन से प्रमुख तत्व हैं? किन्ही दो का वर्णन कीजिए।	**3**
(ii)	फीचर किसे कहते हैं? परिभाषा लिखिए। **अथवा** पत्रकारिता में बीट किसे कहते हैं?	**2**

प्रश्न 10.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए-	5
(i)	पत्रकारीय लेखन और सृजनात्मक लेखन में कोई तीन अंतर बताइए। **अथवा** एक अच्छे और रोचक फीचर की कोई तीन विशेषताएं बताइए।	3
(ii)	पत्रकारीय विशेषज्ञता से क्या तात्पर्य है? **अथवा** लेख और रिपोर्ट में क्या अंतर है?	2
	पाठ्य-पुस्तक	(20)
प्रश्न 11.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए-**	6
(i)	वृक्षों से पत्तियाँ तथा वनों से ढाखें किस माह में गिरते हैं ? इससे विरहिणी (नागमती) का क्या संबंध है?	3
(ii)	सत्य की पहचान हम कैसे करें? कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।	3
(iii)	देवसेना की हार या निराशा के क्या कारण हैं?	3
प्रश्न 12.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए-**	4
(i)	"नयन न तिरपित भेल" पंक्ति में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।	2
(ii)	" रहि चकित चित्रलिखी सी" पंक्ति का मर्म कौशल्या के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।	2
(iii)	'तोड़ो' कविता का आरंभ "तोड़ो तोड़ो तोड़ो" से हुआ है और अंत" गोड़ो गोड़ो गोड़ो" से। स्पष्ट कीजिए कि कवि ने ऐसा क्यों किया?	2
प्रश्न 13.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में लिखिए-**	6
(i)	आधुनिक भारत के नए शरणार्थी कौन हैं? प्रकृति के कारण विस्थापन और औद्योगिकीकरण के कारण विस्थापन में क्या अंतर है?	3
(ii)	बड़ी बहुरिया का संवाद हरगोबिन क्यों नहीं सुना सका? उसके मन में कौन सा अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था?	3
(iii)	खैराती, रामू और छिद्दू ने जब आंखें खोली तो उन्हें सामने राजा ही क्यों दिखाई दिया?	3
प्रश्न 14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए-**	4
(i)	"चौधरी साहब एक खासे हिंदुस्तानी रईस थे।" स्पष्ट कीजिए।	2
(ii)	" हमें तो धोखा होता है कि पड़दादा की घड़ी जेब में डाले फिरते हो, वह बंद हो गई है, तुम्हें न चाबी देना आता है न पुर्जे सुधारना, तो भी दूसरों को हाथ नहीं लगाने देते।"- से लेखक का क्या आशय है?	2
(iii)	गंगापुत्र किन्हें कहा गया है? अपनी जीविका के लिए वे कौन से जोखिम उठाते हैं?	2